



आओ हाथ से हाथ मिलाएँ,

बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..



मिशन  
शिक्षण  
संवाद

**SUPER FAST**

**काव्यांजलि**

**मिशन शिक्षण संवाद**

**अक्टूबर 2025**



संकलन कर्ता :- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट



मिशन का सम्पादन

**मिशन शिक्षण संवाद**

मिशन का सम्पादन



दिनांक  
01 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2638

दिन  
गुरुवार



पाठ- 2

चंदा मामा

आपका दिन शुभ हो।  
कक्षा- 1 विषय- हिन्दी

चंदा सबके मामा

चंदा आसमान में,  
बच्चों को प्यारे लगते।  
बातें करते संग चलने को,  
छुट्टी के दिन की कहते।।  
बड़े ही प्यारे सबके मामा,  
देखो! दिखते आसमान में।  
चुपके से कहते सोने को,  
रात हो गयी कान में।।



बच्चे खुश कहें लड्डु खालो,  
आसमान की थाली में।  
लेकिन पानी आकर पीना,  
कह रहे मेरी प्याली में।।  
जब माँ-दादी हमें सुलाती,  
हाथ फिराती प्यार से।  
सो जा प्यारे करते-करते,  
चंदा मामा से बात रे।।



रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)  
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा  
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा





दिनांक  
02.10.2025

काव्यांजलि

2639

दिन  
गुरुवार



आपका दिन शुभ हो।

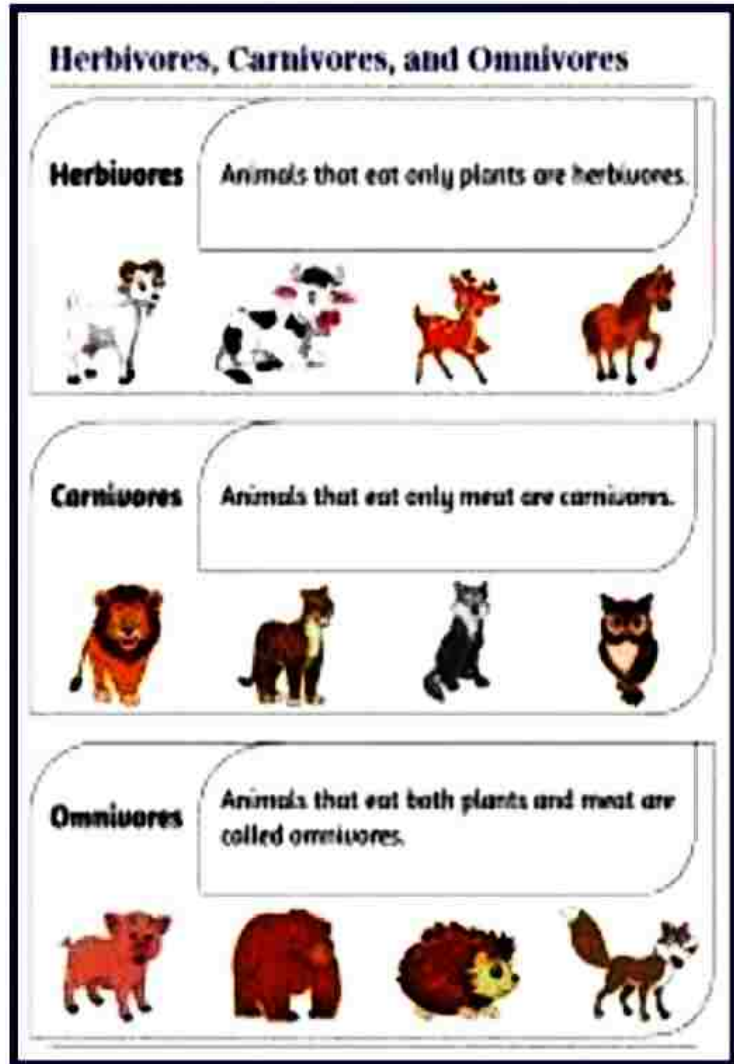
## कक्षा- 3, विषय- हमारा परिवेश, पाठ- 5 (भाग- 2) परिवेशीय जीव-जन्तु

शाकाहारी शाक-सब्जी खाते,  
माँसाहारी माँस अपनाते।  
सर्वाहारी एक और प्रकार,  
खाते जो भोजन के सभी प्रकार।।

गाय और बकरी हैं शाकाहारी,  
शेर, बाघ कहलाते माँसाहारी।  
कुत्ता, बिल्ली, बन्दर, इन्सान,  
कहलाते हैं ये सर्वाहारी।।

पालतू होते हैं वो जीव-जन्तु,  
घर में जिन्हें हम अपने रखते।  
देखभाल और सेवा करते,  
भोजन और दवाई देते।।

जंगल होता जिनका निवास,  
जंगली जानवर वे कहलाते।  
भोजन की स्वयं व्यवस्था करते,  
प्रकृति में होता उनका वास।।



### रचना:-

डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)  
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1  
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव





दिनांक  
03 अक्टूबर  
2025

काज्यांजलि  
2640

दिन  
शुक्रवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- गृह शिल्प, पाठ- 04

## मस्तिष्क ज्वर के लक्षण

तेज बुखार, बेहोशी आना,  
बोलने में परेशानी।  
मस्तिष्क ज्वर के लक्षण हैं ये,  
इन्सिफेलाइटिस जापानी।।

आँखें लाल-लाल हो जातीं,  
सिर दर्द बहुत है होता।  
झटके लगते रोगी को,  
और मुँह से झाग निकलता।।

हाथ-पैर में अकड़न होती,  
रोगी के दाँत बँध जाते।  
बदन में तेज थकावट होती,  
लक्षण इसके बतलाते।।



इन्सिफेलाइटिस वायरस,  
के वाहक होते हैं सुअर।  
वर्षा ऋतु में प्रकोप फैले  
माह जुलाई से अक्टूबर।।

रचना:- राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)  
UPS चित्रवार  
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट





दिनांक

04.10.2025

काव्यांजलि

2641

दिन

शनिवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 05, विषय- भूगोल (प्रकृति)

पाठ- 12, भाग- 01

मुश्किल जब अचानक,  
धरती पर बढ़ जाये।  
अस्त-व्यस्त हो जाये,  
देखो यह आपदा कहलाये।।

## आपदाएँ



दो तरह की आपदा,  
हम हैं यहाँ पर पाते।  
पहली प्रकृति जनित है होती,  
दूसरी मानव जनित बताते।।

आँधी, सुनामी और बाढ़ भूकम्प,  
प्राकृतिक आपदाएँ है होती।  
सूखा पड़ता कहीं पर,  
बाढ़ सब कुछ है डुबोती।।

जनसंख्या विस्फोट, आग,  
दुर्घटना, दंगा-फसाद।  
मानव जनित हैं ये आपदा,  
इनको जनों आज।।

रचना:-

सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)  
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर  
ऐरायां, फ़तेहपुर





दिनांक

06/10/2025

काव्यांजलि

2642

दिन

सोमवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

पाठ- 6 (जीव-जगत)

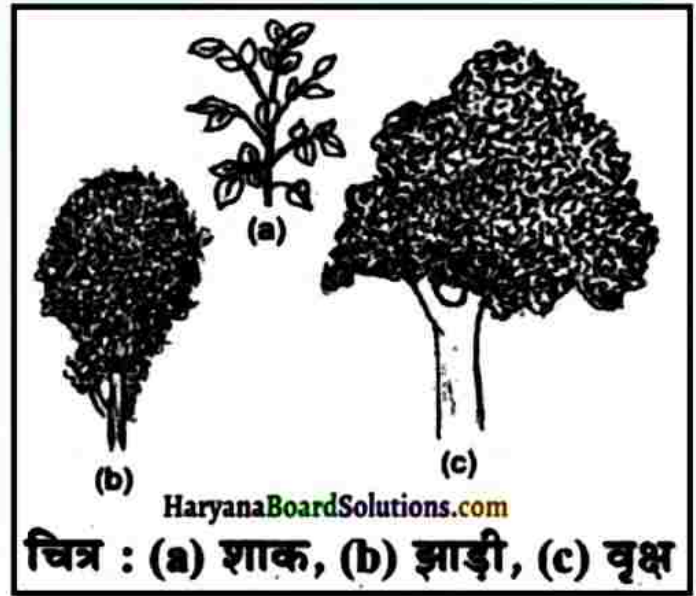
विषय- विज्ञान

## प्रकरण- पौधों का वर्गीकरण (आकार के आधार पर)

पुष्पी पौधों का होता है,  
छोटा और बड़ा आकार।  
आकार के आधार पर,  
होते इनके तीन प्रकार।।

एक मीटर से छोटे शाक,  
कोमल, पतला, कमजोर तना।  
सरसों, पालक, मक्का, मटर,  
बैंगन, मेंथी और चना।।

एक से तीन मीटर की झाड़ी,  
कठोर, मजबूत, अस्पष्ट तना।  
अधिक शाखित, उलझे पौधे,  
गुलाब, करौंदा, गुड़हल बना।।



HaryanaBoardSolutions.com  
चित्र : (a) शाक, (b) झाड़ी, (c) वृक्ष

तीन मीटर से लम्बे वृक्ष,  
मोटा तना बेलनाकार।  
नीम, आम, चीड़, नारियल,  
ये हैं वृक्षों के प्रकार।।

## रचना:-

नीतू सिंह (प्र०अ०)  
प्रा०वि० समोखर  
निधौली कलां, एटा





दिनांक  
07-10-2025

काव्यांजलि

2643

दिन  
मंगलवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- Peatal, Leeson- 8

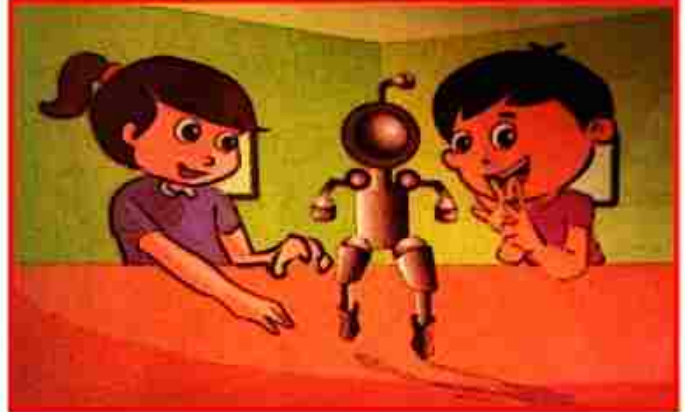
## Bobby : The Robot

### अखबार का विज्ञापन

पढा अतुल ने इक विज्ञापन,  
जो, निकला था अखबार में।  
अपना सकते बना स्वयं का,  
रोबोट तुम एक बार में।।

उसने कहा, बनाऊँ स्वयं का,  
जो रोबोट फुदकता है।  
गया भागता वह दुकान पर,  
किट ली खरीद, घर आता है।।

सब हिस्सों को जोड़ा उसने,  
नाम रखा बॉबी उसका।  
लेकिन क्या? न फुदक सका वह,  
पढ़ निर्देश, प्रयास उसका।।



असफल रहा, सभी जन हारे,  
बोला दुकानदार हँसकर।  
दो थपकी तुम इसके सिर पर,  
फिर फुदका, बोला वह चलकर।।

### रचना:-



जुगल किशोर त्रिपाठी  
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)  
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

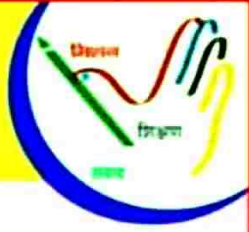


दिनांक  
08 अक्टूबर 2025

काव्यांजलि

2644

दिन  
बुधवार



आपका दिन शुभ हो।

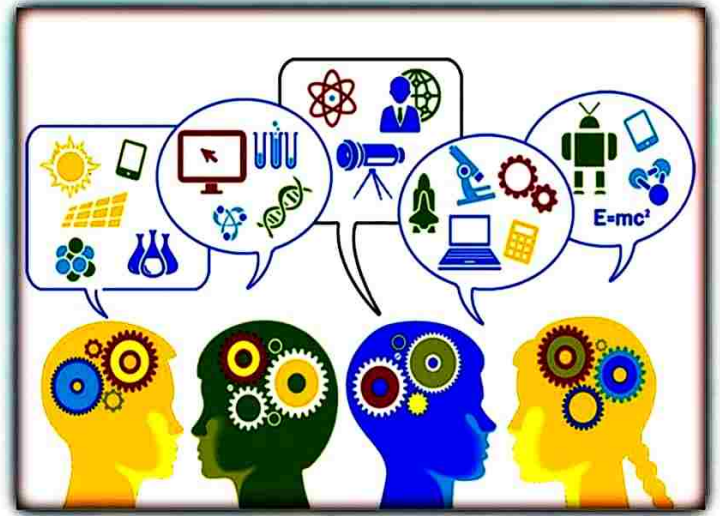
विषय- विज्ञान, कक्षा- 6, पाठ- 1

दैनिक जीवन में विज्ञान

दैनिक जीवन में विज्ञान,  
कर देता आसान है काम।  
झटपट-झटपट देर न लगती,  
हो जाते हैं काम तमाम।।

गुरुत्वाकर्षण वस्तु को खींचे,  
ऐसा न्यूटन ने समझाया।  
एडुसेट शैक्षणिक उपग्रह,  
विज्ञान ने हमको बतलाया।।

दूरबीन से देखो चन्दा तारे,  
गैलिलियो ने दिखलाये सारे।  
विद्युत सेल चले विद्युत से,  
वोल्टा ने समझाया कब से।।



अग्नि, त्रिशूल से शस्त्र बनाये,  
अब्दुल कलाम ने प्रक्षेपण करवाये।  
कल्पना चावला अन्तरिक्ष में जाके,  
चली गयी अपना नाम कमाके।।

रचना

भगवती (स०अ०)  
स० वि० मन्स्या कला  
सादाबाद, जनपद- हाथरस





दिनांक  
09-10-2025

काज्यांजलि  
2645

दिन  
गुरुवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

विषय- गणित

इकाई- 12, क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)

## आयत, वर्ग का परिमाण व क्षेत्रफल

जिस भौतिक राशि से परिसीमा की माप, एक तलीय बन्द आकृति की व्यक्त करते। या मापते दूरी आकृति के चारों ओर की, उसे ही उस आकृति का परिमाण कहते।।

बन्द आकृति द्वारा घेरे गये तल के भाग, या क्षेत्र के माप को क्षेत्रफल दर्शाता। मात्रक क्षेत्र का वर्ग सेमी या वर्ग मीटर, परिमाण सेमी या मीटर में मापा जाता।।

अलग-अलग नाप के होते हैं, आयत में लम्बाई और चौड़ाई। परिमाण सूत्र  $2(\text{लम्बाई} + \text{चौड़ाई})$ , व क्षेत्रफल का लम्बाई  $\times$  चौड़ाई।।



आपस में बराबर होती देखो, वर्ग आकृति की चारों भुजा। सूत्र वर्ग के क्षेत्रफल का भुजा<sup>2</sup>, वर्ग के परिमाण का  $4 \times$  भुजा।।

रचना:-

सुमन सिंह (स०अ०)

उ० प्रा० वि० बिल्ली

वि० क्षेत्र- चोपन, सोनभद्र





दिनांक  
10 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2646

दिन  
शुक्रवार



आपका दिन शुभ हो।

हमारा भूमण्डल

पाठ- 7

कक्षा- 7

समुद्र की गतियाँ (गल्फ स्ट्रीम जल धारा)

अटलांटिक महासागर की यह,  
प्रमुख है एक जल धारा।  
मैक्सिको खाड़ी से उत्पन्न होकर,  
उत्तर की ओर प्रवाहित होती धारा।।



पछुआ पवन के प्रभाव में आकर,  
पूर्व की ओर मुड़ जाती है धारा।  
पूर्वी महाद्वीप के पश्चिमी तट,  
पर पहुँच जाती है यह धारा।।



इसलिए अमेरिका का उत्तरी-पूर्वी,  
तट बर्फ से जम जाता है।  
यूरोप का उत्तर-पश्चिमी तट,  
सर्दियों में जम नहीं पाता है।।

गर्म जल धारा प्रभाव से,  
ऐसा यूरोप में होता है।  
जिससे यूरोप में वर्ष भर,  
आवागमन-व्यापार होता है।।

रचना-

रुखसाना बानो (स०अ०)  
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा  
जमालपुर, मीरजापुर





दिनांक

11 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2647

दिन

शनिवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- नागरिक शास्त्र, पाठ- 04 (नागरिक सुरक्षा)

## आग बुझाने के उपकरण

ड्राई पावडर अग्निशामक यन्त्र,  
बहते द्रव की आग बुझाता।  
मुख्य रूप से इन यन्त्रों में सोडियम,  
बाई कार्बोनेट प्रयोग किया जाता।।

खाता-बही, करेंसी नोट,  
और कैश बुक, कम्प्यूटर।  
पानी से खराब हो सकते,  
इन्हें बचाने के खातिर।।



गैस टाइप Co2 यन्त्र,  
काम में लाया जाता।  
गैसीय अवस्था में Co2,  
इनकी आग बुझाता।।

वाटर टाइप अग्निशामक यन्त्र,  
आग पे फेंके पानी।  
जल में घुली Co2 रहती,  
आग बुझे आसानी।।

**रचना:-** राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)  
UPS चित्रवार  
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट





दिनांक

13/10/2025

काव्यांजलि

2648

दिन

सोमवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

पाठ- 6 (जीव-जगत)

विषय- विज्ञान

## प्रकरण- पौधों का वर्गीकरण (आयु के आधार पर)

जीव-जन्तु की आयु के जैसे,  
पौधों की भी निश्चित आयु।  
आयु से बाँटे तीन भाग में,  
हमको देते शुद्ध वायु।।



फलें-फूलें जो कुछ ही महीने,  
सूखकर अन्त हो जाता।  
फसलें हैं एकवर्षीय पौधे,  
नाम चना, मटर, गेहूँ का आता।।



जीवन चक्र है दो वर्ष का,  
पहले में विकसित, दूजे में खत्म।  
द्विवर्षीय पौधा है केला,  
उदाहरण इसके बहुत ही कम।।

बहुवर्षीय पौधे भी होते,  
फल और फूल लगे रहते।  
दूब, गुलाब, आम, कटहल,  
शाक, झाड़ी, वृक्ष के होते।।

### रचना:-

नीतू सिंह (प्र०अ०)  
प्रा०वि० समोखर  
निधौली कलां, एटा





दिनांक  
14-10-2025

काव्यांजलि

2649

दिन  
मंगलवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- Peatal, Leeson- 13

My Earth (मेरी धरती)

धरती क्या है?

धरती मेरी माता अच्छी,  
हमको सब कुछ देती है।  
भोजन, कपड़े, पानी, वायु,  
जिसकी जरूरत पड़ती है।।

सूरज की किरणें वह ओढ़े,  
सारे जग के लिए प्रबंधक।  
जीवन शक्तिशाली उसका है,  
मृदुल तरीके देती पावक।।

मधुर गीत सम मधुर धुनों में,  
जीती, मम माता है दोस्त।  
मेरे और तुम्हारे लिए है,  
माता अच्छी मधुकर दोस्त।।



भौतिक सुख सुबिधाएँ देती,  
पालक जग की, निरझरणी।  
चाँद रात्रि में रोशन करता,  
नदियाँ नित इस पर बहतीं।।

रचना:-



जुगल किशोर त्रिपाठी

प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)

ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी



दिनांक

15 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2650

दिन

बुधवार



पाठ- 03

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय- इतिहास

(हमारा इतिहास और नागरिक जीवन)

**अंग्रेज-सिक्ख प्रथम युद्ध**

सिक्ख सेना ने कूच किया,  
सतलज नदी पार करके।  
अंग्रेजी राज्य पर धावा,  
दिया बोल हुंकार भरके।।

प्रथम सिक्ख युद्ध अठारह सौ,  
पैंतालीस में था हुआ।  
हुई पराजित सिक्ख सेना,  
विश्वासघात अपनों ने किया।।

लाहौर की संधि हुई,  
दोआब मिला अंग्रेजों को।  
व्यास, जालंधर, सतलज नदियाँ,  
सींचे जिस भू-स्थल को।।

डेढ़ करोड़ रुपया हर्जाना,  
देना पड़ा था सिक्खों को,  
राशि को ना दे पाए बेचे,  
जम्मू और कश्मीर को।।



**रचना-** अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)  
प्रा० वि० धवकलगंज  
बड़ागाँव, वाराणसी





दिनांक

16.10.2025

काव्यांजलि

2651

दिन

गुरुवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 07, विषय- विज्ञान, पाठ- 12, (भाग-1)

## लाभदायक एवं हानिकारक पौधे और जन्तु

पहले मनुष्य प्रकृति में रहकर,  
जीव-जन्तु का शिकार करता था।  
जानवरों की वह खाल पहनता,  
कच्चा कन्द मूल खाया करता था।।

धीरे-धीरे मनुष्य ने सीखा,  
पशु-पक्षी कैसे पाले जाते हैं।  
पुराने बीज धरती में बोने से,  
नये बीज उगाये जाते हैं।।



पेड़-पौधे और जीव-जन्तु,  
मानव को प्रभावित करते हैं।  
कुछ तो लाभदायक होते,  
कुछ हानि पहुँचाया करते हैं।।

शूक्ष्म जीव शरीर में पहुँचकर,  
मनुष्य में उत्पन्न करते कई रोग,  
वही नीम, तुलसी का सेवन,  
मनुष्य को रखता है निरोग्य।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)  
उच्च प्रा० वि० भौरी  
मानिकपुर, चित्रकूट





दिनांक  
17 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2652

दिन  
शुक्रवार



आपका दिन शुभ हो।

हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7

पाठ- 11

टैगा एवं टुण्ड्रा प्रदेश

पृथ्वी पर कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं,  
जहाँ पड़ती है कड़ाके की सर्दी।  
झील-तालाब सब जम जाते हैं,  
बर्फ जैसी वहाँ पड़ती है सर्दी।।



वह स्थान टैगा प्रदेश कहलाता,  
छः-सात माह बर्फ से ढका रहता।  
जलवायु होती है विषम वहाँ पर,  
अधिकांश महीना ठण्डा ही रहता।।



उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में,  
अलास्का से लेब्रेडोर तक विस्तार।  
यूरेशिया में है फिनलैण्ड से लेकर,  
उत्तरी-पूर्वी साइबेरिया तक विस्तार।।



लम्बी, कठोर, ठण्डी होती शीत ऋतु,  
बर्फीली आँधियाँ चलती रहती हैं।।  
हर पल होता यहाँ हिमपात,  
जलाशय-नदियाँ जमी रहती हैं।।

रचना-

रुखसाना बानो (स०अ०)  
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा  
जमालपुर, मीरजापुर





दिनांक  
18-10-2025

काव्यांजलि

2653

दिन  
शनिवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-3 विषय- हमारा परिवेश पाठ- स्वच्छ रहो स्वस्थ रहो

साफ रहो और स्वस्थ रहो,  
सबसे पहले तुम स्वच्छ रहो।  
आँख, नाक, कान, दाँत को,  
साफ रखो और स्वस्थ रहो।

कूड़ा फेंकों न इधर-उधर,  
डस्टबिन का उपयोग करो।  
शौच जाने के लिये तुम,  
शौचालय का उपयोग करो।।

सप्ताह भर में काटो नाखून,  
ब्रश दो बार रोज करो।  
प्रतिदिन करो स्नान और,  
बालों में तुम कंघी करो।।

आँखों को तेजी से न मलो,  
साफ पानी से धो लो।  
नुकीली चीजें नाक, कान,  
और आँख से दूर ही रखो।।



रचना- ज्योति सागर' सना (स०अ०)  
पी एम श्री उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)  
बागपत, बागपत





दिनांक

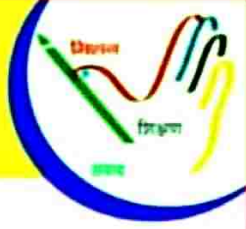
20 अक्टूबर 2025

काव्यांजलि

2654

दिन

सोमवार



आपका दिन शुभ हो।

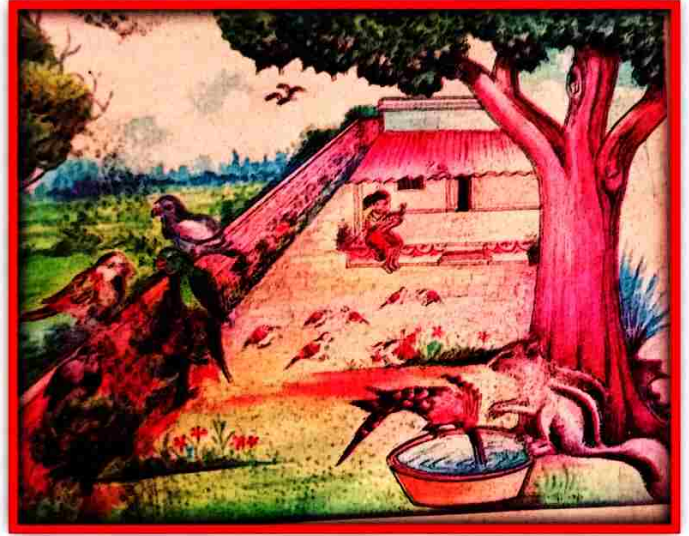
कक्षा-4, विषय- हिन्दी (फुलवारी) पाठ- 2,

प्यासी मैना (भाग- 2)

लाल ईंटों वाला मकान,  
कबूतर ने दिखलाया।  
तीनों उड़कर चले वहाँ,  
लेकिन जल नहीं पाया।।

तोता परेशान होकर बोला,  
अब क्या करें भईया?  
तीनों पीपल के पेड़ पर पहुँचे,  
जहाँ चहक रहीं गौरैया।।

गुटर-गूँ करके कबूतर बोला,  
इतनी खुश हो क्या पाया?  
अभी-अभी हम नहाकर आये,  
गौरैया ने तुरन्त बताया।।



मैना अचरज से बोली,  
तुमने नीर कहाँ से पाया?  
छोटी लड़की ने जल से भरा,  
कुण्डा गौरैया ने दिखाया।।

रचना

मंजू शर्मा "माधुरी" (स०अ०)  
प्रा० वि० नगला जगराम  
ब्लॉक- सादाबाद, जनपद- हाथरस





दिनांक  
21-10-2025

काव्यांजलि

2655

दिन  
मंगलवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- अक्षरा, पाठ- 4

नीति के दोहे

कबीरदास

नहीं सतार्यें दुर्बल को कोई,  
होती है उसकी मोटी हाय।  
मरे खाल की स्वाँस जो निकले,  
बचे न सभी भस्म हो जाय।।

मधुर वचन औषधि समान हैं,  
कडुवे वचन लगे जनु तीर।  
कर्ण द्वार से तन में प्रविसें,  
बेधें सबका सकल शरीर। ।

बुरा देखने जब मैं निकला,  
नहीं बुरा जग पाया कोऊ।  
अपने उर जब मैंने देखा,  
मुझ सम बुरा मिला न कोऊ।।



सूप समान साधु हो जग में,  
सार-सार गहि, थोथा छोड़।  
रे मन धैर्य रखो, सब होगा,  
माली सींचे तरु, नहिं दौड़।।

रचना:-



जुगल किशोर त्रिपाठी  
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)  
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी



दिनांक  
22 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2656

दिन  
बुधवार



आपका दिन शुभ हो।

हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7

पाठ- 10

मरुस्थलीय जीव-जन्तु

मरुस्थल में वर्षा होती है कम,  
इस कारण जीव-जन्तु हैं कम।  
वनस्पति भी नहीं है विकसित,  
इस कारण जीव-जन्तु हैं कम।।



यहाँ वही जीव पाये जाते हैं,  
जो कम पानी में जी लेते हैं।  
यहाँ वही अपना जीवन जीते हैं,  
जो अधिक गर्मी सह लेते हैं।।



यहाँ ऊँट ऐसा जीव है जो,  
कम पानी में जीवित रह लेता है।  
इस कारण से ही तो वह,  
रेगिस्तान का जहाज कहलाता है।।

भेड़, बकरी, नेवला, साँप,  
रेगिस्तान में पाये जाते हैं।  
बिच्छू, गोह, हिरन, चिंकारा,  
भी रेगिस्तान में पाये जाते हैं।।

रचना-

रुखसाना बानो (स०अ०)  
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा  
जमालपुर, मीरजापुर





दिनांक

23.10.2025

काव्यांजलि

2657

दिन

गुरुवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 07, विषय- विज्ञान, पाठ- 12, (भाग- 2)

## लाभदायक एवं हानिकारक पौधें और जन्तु

अनाज हमारे प्रमुख भोजन,  
मक्का, बाजरा, गेहूँ, चावल।  
पौधों की जड़ से उगते हैं,  
मूली, प्याज, अदरक, गाजर।।

सुगन्धित मसाले पौधों से मिलते,  
भोजन को स्वादिष्ट बनाते हैं।  
चना, मटर, अरहर के प्रयोग से,  
भरपूर प्रोटीन, विटामिन पाते हैं।।



दूध होता सन्तुलित आहार,  
गाय, भैंस बकरी से पाते।  
रेशम, ऊन, मछली, शहद,  
के उत्पादन से पैसा कमाते हैं।।

खटमल, जूँ, मक्खी, मच्छर,  
खतरनाक रोग फैलाते हैं।  
इनके संक्रमण से मनुष्य में,  
जानलेवा रोग हो जाते हैं।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)  
उच्च प्रा० वि० भौरी  
मानिकपुर, चित्रकूट





दिनांक

24 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2658

दिन

शुक्रवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- विज्ञान (प्रकृति) पाठ- 5

## भोज्य पदार्थ

भोज्य पदार्थ से हमारे शरीर को, भरपूर पोषण मिलता है। काम करने की मिलती ताकत, और शरीर विकास करता है।।

वे भोज्य पदार्थ जिनसे शरीर को, काम करने की ताकत मिलती हैं। गेहूँ, चीनी, अण्डा, तेल आदि से, हमें ऊर्जा मिलती हैं।।

मछली, दूध, मूँगफली दाल आदि, हमारे शरीर में वृद्धि करते है। इन भोज्य पदार्थों को हम वृद्धि, करने वाले भोज्य पदार्थ करते हैं।।



ताजी फल और सब्जियों से, रोगों से बचाव होता है। पड़ते हैं हम कम बीमार और, शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा होता है।।

### रचना:-

मृदुला वर्मा (स०अ०)

प्रा० वि० अमरौधा प्रथम

क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात





दिनांक

25 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2659

दिन

शनिवार



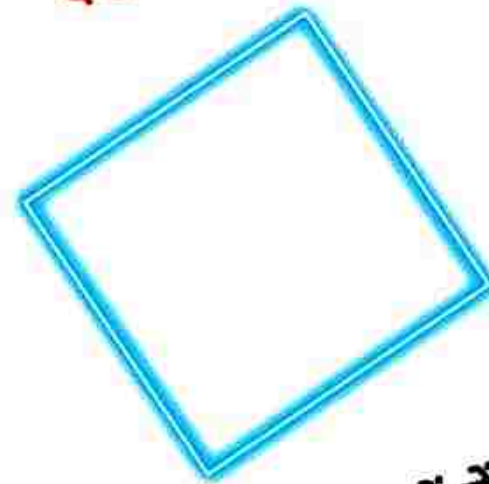
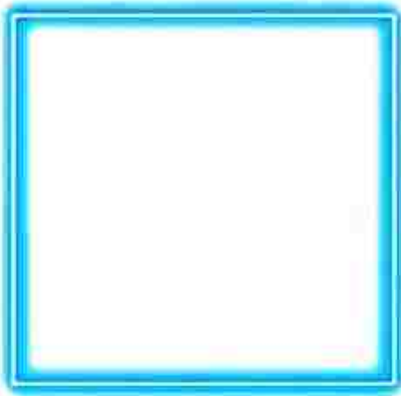
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, विषय- गणित, इकाई- 12

वर्ग

क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)

चार भुजाओं से घिरी,  
आकृति को वर्ग कहते।  
चारों भुजा समान हैं जिसकी,  
चारों कोण समकोण जिसके।।



वर्ग की चारों भुजाओं का,  
योग ही परिमाप होता।  
दो विपरीत भुजाएँ समानान्तर,  
उनका समान नाप होता।।

इन्हीं चारों समान भुजाओं में,  
लम्बाई और चौड़ाई का गुणा करें।  
तो प्राप्त हो जाता उस इकाई के,  
वर्ग में क्षेत्रफल हम जिसे कहें।।

**रचना:-** नैमिष शर्मा (स०अ०)  
उच्च प्रा० वि० (1-8) तेहरा  
क्षेत्र व जनपद- मथुरा





दिनांक

27.10.2025

काव्यांजलि

2660

दिन

सोमवार



आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 02, विषय- हिन्दी, पाठ- 05

ममता का घर

मनवाला गाँव है मेरा,  
ममता मेरा प्यारा नाम,  
दीवारों पर फूस के छप्पर,  
पेड़ पर लगते मीठे आम।।

मगन और मैं सुबह उठकर,  
दातून कर रोज़ नहाते हैं।  
नाश्ता करते, तैयार होते।  
साथ स्कूल पढ़ने जाते हैं।।



माँ जिस दिन फुर्सत न पाती,  
तो बाबू जी खाना बनाते हैं।  
हरी सब्जियाँ अच्छी लगती,  
सारे फल धोकर हम खाते हैं।।

बाबू जी खेत से आकर,  
बैलों को चारा खिलाते हैं।  
दादी हमें कहानी सुनाती,  
सुनते-सुनते हम सो जाते हैं।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)

उच्च प्रा० वि० भौरी  
मानिकपुर, चित्रकूट





दिनांक

28-10-2025

काव्यांजलि

2661

दिन

मंगलवार



आपका दिन शुभ हो।

विषय- हिन्दी (प्रज्ञा)

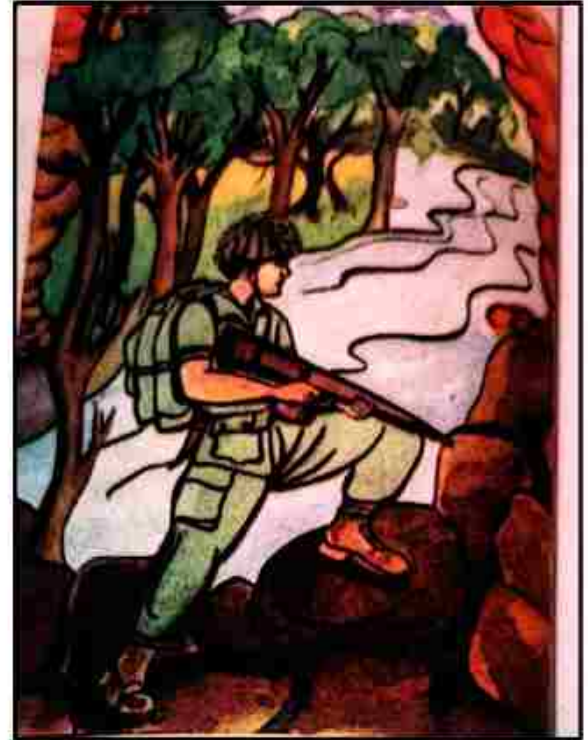
पाठ- 14- कर्मवीर

अनेक बाधाओं को देखकर,  
कर्मवीर नहीं घबराते हैं।  
काम कितना ही कठिन हो,  
पर वह कभी नहीं अधीर होते हैं॥

## कर्मवीर

भाग्य पर कभी भरोसा करते नहीं,  
जो सोचते हैं उसे कर दिखाते वही।  
स्वयं निर्णय सदा वह लेते हैं,  
दूसरों के इशारों पर सदा चलते नहीं॥

अपना समय कभी वह व्यर्थ करते नहीं,  
हर काम को समय से करते हैं वही।  
समुद्र की ऊँची लहरें,  
आँच की लपटें,  
कर्मवीर को कभी डराती नहीं॥



रचना-

प्रतिमा उमराव (स०अ०)

कम्पोजिट विद्यालय अमौली

अमौली, फतेहपुर





दिनांक  
29/10/2025

काव्यांजलि

2662

दिन  
Wednesday



आपका दिन शुभ हो।

**Class 2 Unit 2, Chapter 2**

# Seeing without seeing



Onshangla returned home,  
Sadly from school to home.  
Why are you so quite today?  
How you spend the day?

A new boy by passing classes,  
Came, Wearing black glasses.  
Not able to see properly,  
But will come to school daily.



How will he do things?  
Biscuits & milk Ava brings.  
Finish this then we play game,  
Onshangla did the same.

Ava tied a scarf on her eyes,  
Whats holding, said to recognise.  
Onshangla asked, How I can,  
It is possible, I know you can.



**Written by:**

**Supriya Singh (A.T.)  
C. S. Baniyamau  
Machhrehtha, Sitapur**



दिनांक

30 अक्टूबर 2025

काव्यांजलि

2663

दिन

गुरुवार



आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 05

कक्षा- 05 विषय- विज्ञान (प्रकृति)

## सन्तुलित आहार

हमारे शरीर के पोषण के लिए,  
सन्तुलित आहार जरूरी होता है।  
इससे शरीर रहता है स्वस्थ,  
और सम्पूर्ण विकास होता है।।

कुछ भोज्य पदार्थों को हम,  
कच्चा ही खाते हैं।  
मूली, खीरा और ककड़ी,  
हमारे पेट को लाभ पहुँचाते हैं।।

अपने भोजन में हम जब,  
सम्पूर्ण आहार खाते हैं।  
दाल, रोटी सब्जी-चावल से,  
हम पूर्ण पोषक तत्व पाते हैं।।



दूध, फल और हरी सब्जियाँ,  
सम्पूर्ण आहार कहलाते हैं।  
होता रोगों से बचाव और,  
हम उत्तम स्वास्थ्य पाते हैं।।

## रचना:-

मृदुला वर्मा (स०अ०)

प्रा० वि० अमरौधा प्रथम

क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात





दिनांक  
31 अक्टूबर  
2025

काव्यांजलि

2664

दिन  
शुक्रवार



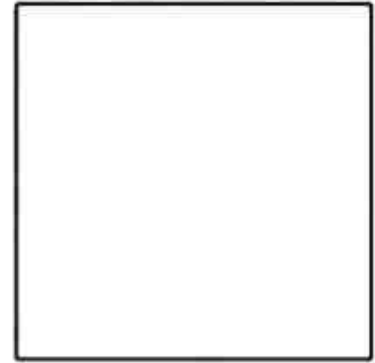
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 3, विषय- गणित , पाठ- 08

## रेखाएँ और परिमाप ...

सीधी होती सरल रेखा,  
टेढ़ी-मेढ़ी है वक्र रेखा।  
बिन्दु से बिन्दु मिलाते जाओ,  
बन जाती है एक रेखा।।

अगर खींचनी है हमको,  
रेखा निश्चित आकार की देखो।  
शून्य बिन्दु पटरी में लेकर,  
सही माप तक खींचे उसको।।



माचिस, झण्डी, सिक्का, पासा,  
रख आकार जो खींचा जाता।  
आयत, त्रिभुज, वृत्त, वर्ग का,  
ज्यामिति आकार उभर कर आता।।

बाहरी किनारों का योग माप,  
कहलाता है परिमाप।  
वर्ग चार व त्रिभुज तीन भुज,  
2 (ल०+चौ०) आयत का परिमाप।।

रचना:-

पुष्पा पटेल (प्र०अ०)  
प्रा० वि० संग्रामपुर  
वि०ख० व जनपद- चित्रकूट



- 2638- बुधवार, 01 अक्टूबर, चन्दा सबके मामा, नैमिष शर्मा, मथुरा
- 2639- गुरुवार, 02 अक्टूबर, परिवेशीय जीव-जन्तु, डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
- 2640- शुक्रवार, 03 अक्टूबर, मस्तिष्क ज्वर के लक्षण, राज कुमार शर्मा, चित्रकूट
- 2641- शनिवार, 04 अक्टूबर, आपदाएँ, सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
- 2642- सोमवार, 06 अक्टूबर, पौधों का वर्गीकरण, नीतू सिंह, एटा
- 2643- मंगलवार, 07 अक्टूबर, Robby : The Robot जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी
- 2644- बुधवार, 08 अक्टूबर, दैनिक जीवन में विज्ञान, भगवती, हाथरस
- 2645- गुरुवार, 09 अक्टूबर, आयत, वर्ग का परिमाप एवं क्षेत्रफल, सुमन सिंह, सोनभद्र
- 2646- शुक्रवार, 10 अक्टूबर, गल्फ स्ट्रीम की धारा, रुखसाना बानो, चित्रकूट
- 2647- शनिवार 11, अक्टूबर, आग बुझाने के उपकरण, राज कुमार शर्मा, चित्रकूट
- 2648- सोमवार, 13, अक्टूबर, पौधों का वर्गीकरण, नीतू सिंह, एटा
- 2649- मंगलवार, 14, अक्टूबर, Mother Earth, जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी
- 2650- बुधवार, 15 अक्टूबर अंग्रेज-सिख प्रथम युद्ध, अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
- 2651- गुरुवार, 16 अक्टूबर, लाभदायक/हानिकारक पौधे/जन्तु-1, शहनाज़ बानो, चित्रकूट
- 2652- शुक्रवार, 17 अक्टूबर, टैगा और टुंड्रा प्रदेश, रुखसाना बानो, मिर्ज़ापुर
- 2653- शनिवार, 18 अक्टूबर, स्वच्छ रहो, स्वस्थ रहो, ज्योति सागर सना, बागपत
- 2654- सोमवार, 20 अक्टूबर, प्यासी मैना, मंजू शर्मा, हाथरस
- 2655- मंगलवार, 21 अक्टूबर, कबीर दास, जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी
- 2656- बुधवार, 22 अक्टूबर, मरुस्थलीय जीव-जन्तु, रुखसाना बानो, मिर्ज़ापुर
- 2657- गुरुवार, 23 अक्टूबर, लाभदायक/ हानिकारक पौधे/जन्तु-2, शहनाज़ बानो, चित्रकूट
- 2658- शुक्रवार, 24 अक्टूबर, भोज्य पदार्थ, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
- 2659- शनिवार, 25 अक्टूबर, वर्ग, नैमिष शर्मा, मथुरा
- 2660- सोमवार, 27 अक्टूबर, ममता का घर, शहनाज़ बानो, चित्रकूट
- 2661- मंगलवार, 28 अक्टूबर, कर्मवीर, प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
- 2662- बुधवार, 29 अक्टूबर seeing Without seeing, सुप्रिया सिंह, सीतापुर
- 2663- गुरुवार, 30 अक्टूबर संतुलित आहार, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
- 2664- शुक्रवार, 31 अक्टूबर, रेखाएँ व परिमाप\* पुष्पा पटेल, चित्रकूट

